नईदुनिया

# हूती का सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन से हमला

रियाद

**ईरान समर्थक यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई संवेदनशील स्थानों पर हमले किए हैं। इनमें राजधानी रियाद और यानबू बंदरगाह शहर में स्थित अरामको की तेल सुविधा शामिल है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन का कहना है कि उसने रियाद की ओर दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल को बीच में ही रोक दिया। साथ ही बिश, ताइफ़, फ़रासान और यानबू पर किए गए अन्य हमलों को विफल कर दिया।**

अल जजीरा और सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने टेलीग्राम पर जारी बयान में यह जानकारी दी। सरी के अनुसार, सऊदी अरब के दो अहम ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों, ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया।

यह पहली बार है जब हूती ने महीनों बाद क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया। हूती ने कहा है कि वह सऊदी अरब की सबसे कीमती संपत्ति अरामको आयल फैसिलिटी को निशाना बनाएगा।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा, राजधानी सना को निशाना बनाने की सऊदी की कोशिश के जवाब में दो सफल सैन्य अभियान चलाए गए। उन्होंने कहा, पहला हमला सऊदी राजधानी रियाद में संवेदनशील ठिकानों पर और दूसरा यानबू में अरामको की सुविधाओं पर किया गया।

यानबू पर हमला अहम है। यह लाल सागर के तट पर स्थित है, लेकिन यमन और सऊदी अरब की सीमा से लगभग 700 मील उत्तर में है। रियाद भी सीमा से 700 मील से ज्यादा दूर है। इससे साफ है कि हूती अब सऊदी अरब में काफी नजदीक से हमला कर रहे हैं।

अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रियाद पर हमले के लिए हूती की कड़ी निंदा की गई है। कुवैत के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि ये हमले सऊदी अरब की संप्रभुता का खुला उल्लंघन हैं। मिस्र ने भी कहा कि हूती हमला अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

बहरीन ने इन कृत्यों को आतंकवादी कार्रवाई करार दिया।

जार्डन ने कहा कि यह हमले सऊदी अरब की सुरक्षा, स्थिरता और उसकी सुरक्षा के लिए खतरा है और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सऊदी अरब पर हमलों की निंदा की है।

सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी सऊदी अरब पर हूती हमलों में दर्जनों लोग घायल हुए और ऊर्जा से जुड़ी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा।

2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए समझौते के बाद यमन में बड़े पैमाने पर लड़ाई रुक गई थी, लेकिन अब फिर से शुरू हुई यह लड़ाई तनाव में बड़ी बढ़ोतरी को दर्शाती है।

## न्यूज ब्रीफ

### ढाका के जात्राबारी में चार देसी बम फटे, कमलापुर रेलवे स्टेशन पर दो धमाके

**ढाका।** बांग्लादेश की राजधानी ढाका के जात्राबारी इलाके में कम से कम चार देसी बम फटे। इस दौरान एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके बाद कमलापुर रेलवे स्टेशन पर दो और देसी बम फटे। जात्राबारी थाना के इंस्पेक्टर (आपरेशन्स) खालिद हसन ने इसकी पुष्टि की। द डेली स्टार और ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जात्राबारी में शाम करीब 7:40 बजे समद सुपर मार्केट के सामने चार देसी बम फटे। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल व्यक्ति 32 वर्षीय रिक्शा चालक है।उसकी पहचान बिलाल के रूप में हुई है। इस घटना के बाद कमलापुर रेलवे स्टेशन पर दो देसी बम फटे। ढाका जिले के रेलवे पुलिस अधीक्षक निकुलिन चकमा ने बताया कि धमाके रात करीब 10:30 बजे प्लेटफार्म 2 के आखिरी छोर पर हुए। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ये ताजा धमाके ढाका में कई जगहों पर देसी बम धमाकों की एक श्रृंखला की खबर के एक दिन बाद हुए हैं। उधर, राजधानी में अलग-अलग जगह पर तीन बसों में आग लगा दी गई। मीरपुर में दो बसों को निशाना बनाया गया, जबकि बड्डा में एक और बस में आग लगा दी गई। ढाका मेट्रोपालिटन पुलिस ने कहा कि पूरे ढाका में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मुख्य सड़कों और शहर में घुसने के रास्तों पर 200 से ज्यादा चेक पाइंट बनाए गए हैं।

### रिश्ते सुधारने बांग्लादेशी पीएम नवंबर में जा सकते हैं भारत, पीएम नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच टाप लेवल पर सीधी बात हो

**ढाका।** बांग्लादेशी पीएम तारिक रहमान इसी साल नवंबर में भारत के दौरे पर जा सकते हैं। इस हाई-

प्रोफाइल यात्रा को लेकर ढाका और नई दिल्ली के बीच डिप्लोमैटिक बातचीत शुरू हो चुकी है। हालांकि ये बातचीत अभी शुरुआती दौर में है और तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है, लेकिन दोनों देशों के मौजूदा माहौल को देखते हुए इस दौरे को एक बड़ा टर्निंग पाइंट माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में एक नई शुरुआत होने जा रही है। सूत्रों की मानें तो बांग्लादेश के पीएम तारिक रहमान का ये दौरा दोनों देशों के नए समीकरणों को सही दिशा दे सकता है. भारत सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि तारिक रहमान ने अब खुद भारत आने में दिलचस्पी दिखाई है। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी भी चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच टाप लेवल पर सीधी बात हो। दोनों देश सही तारीखों, कार्यक्रमों और पूरी प्लानिंग को लेकर लगातार बात कर रहे हैं। भले ही अभी फाइनल शेड्यूल तय होना बाकी है, लेकिन दोनों पक्षों की मंशा बिल्कुल साफ है कि ये दौरा नवंबर में ही हो। कूटनीतिक जानकारों का मानना है कि जब दो पड़ोसी देश इस तरह से आगे बढ़ते हैं, तो जमीनी स्तर पर कई अटके हुए मसले भी हल होने लगते हैं। फिलहाल दोनों देशों के डिप्लोमैट्स तारीखों और अन्य प्रोटोकाल्स को सेट करने में जुटे हैं। जब भी दो देशों के रिश्तों में थोड़ी खटास आती है, तो वहां के राजनयिकों का काम काफी मुश्किल हो जाता है। भारत और बांग्लादेश के मामले में भी ऐसा ही देखने को मिला। दोनों देशों के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा खुला रहे, इसके लिए बांग्लादेश में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी काफी एक्टिव रोल निभा रहे हैं।

### जर्मनी में मनाया गया इंडिया डे, भारतीय विज्ञान और संस्कृति की दिखी झलक

**बर्लिन।** जर्मनी में भारतीय दूतावास ने ब्रांडेनबर्ग टेक्निकल यूनिवर्सिटी के सहयोग से काटबस में इंडिया डे का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों और सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करना था। भारतीय दूतावास ने यह जानकारी दी। दूतावास के अनुसार, 18 सितंबर को आयोजित कार्यक्रम में भारत-जर्मनी राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर को भी रेखांकित किया गया। इसमें करीब 200 लोगों ने हिस्सा लिया। भारत के जर्मनी में राजदूत अजीत गुप्ते ने शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नवाचार, व्यापार, निवेश, पर्यटन, कौशल विकास और प्रतिभा एवं श्रम गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के संबंधों के विस्तार पर प्रकाश डाला। ब्रांडेनबर्ग टेक्निकल यूनिवर्सिटी की अध्यक्ष प्रोफेसर गेजिने ग्रांडे ने भारत के साथ विश्वविद्यालय के लंबे जुड़ाव को रेखांकित किया। कार्यक्रम में इंडियन स्टूडेंट्स एसोसिएशन काटबस (आईएसएसी) के उपाध्यक्ष ने भी हिस्सा लिया। यह आयोजन ऐसे समय हुआ है जब भारत और जर्मनी अपने रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे हैं। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से फोन पर बातचीत की थी। दोनों नेताओं ने व्यापार एवं निवेश, रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकी और प्रतिभा की आवाजाही समेत विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी।

## आस्था और वास्तुकला का अद्भुत संगम

# 200 वर्ष पुराने रघुनाथ मंदिर का गौरवशाली इतिहास

डॉ. शिशिर उपाध्याय जम्मू से

जम्मू शहर के मध्य में स्थित ऐतिहासिक रघुनाथ मंदिर आज भी अपनी 200 वर्ष पुरानी विरासत को संजोए हुए है। इस मंदिर का निर्माण 1835 में महाराजा गुलाब सिंह ने शुरू करवाया था और 1860 में महाराजा रणबीर सिंह ने इसे पूर्ण करवाया था। यह मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि डोगरा शासनकाल की सांस्कृतिक और धार्मिक चेतना का प्रतीक है। इतिहासकारों के अनुसार, रघुनाथ मंदिर परिसर उत्तर भारत के सबसे बड़े मंदिर परिसरों में से एक है। यहाँ मुख्य मंदिर भगवान श्रीराम को समर्पित है, जबकि परिसर में सात ऐतिहासिक मंदिर हैं, जिनमें भगवान शिव, सूर्यदेव सहित 33 करोड़ देवी-देवताओं से जुड़ी प्रतिमाएं हैं। मंदिर की दीवारों पर सोने की परत चढ़ी हुई है और अंदर की नक्काशी में मुगल और पहाड़ी स्थापत्य

कला का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। प्राचीन महत्व की बात करें तो इस मंदिर में कई दुर्लभ पांडुलिपियां और प्राचीन ग्रंथों का संग्रह भी रखा गया था, जो इसे धार्मिक पुस्तकालय के रूप में भी प्रसिद्ध करता था। मान्यता है कि यहाँ भगवान राम ने वनवास काल में विश्राम किया था, इसलिए इस स्थान का पौराणिक महत्व भी है। हर साल रामनवमी और वैकुंठ चतुर्दशी पर यहाँ विशेष पूजा और मेले का आयोजन होता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। 200 वर्षों से यह मंदिर जम्मू की पहचान और आस्था का केंद्र बना हुआ है।

### सवा 12 लाख शालिग्राम से बना विश्व का पहला मंदिर

**जम्मू।** डोगरा शासकों की आस्था और विरासत का प्रतीक 200 वर्ष पुराना रघुनाथ मंदिर विश्व में अपने आप में अनोखा है। यह विश्व का पहला मंदिर है, जहाँ सवा 12 लाख शालिग्राम स्थापित हैं। इतनी बड़ी संख्या में शालिग्राम की स्थापना अन्यत्र कहीं नहीं है। मंदिर की स्थापना 1836 में कश्मीर के आखिरी राजा डॉ. कर्ण सिंह के परिवार द्वारा की गई थी। इसका शिलान्यास महाराजा गुलाब सिंह ने किया था। इतिहास के अनुसार, महाराजा रणधीर सिंह जी ने 65 लाख सोने के सिक्के देकर अंग्रेजों से कश्मीर रियासत खरीदी थी। इसके बाद इस मंदिर को भव्य स्वरूप दिया गया। मंदिर के इतिहास में महाराजा रणजीत सिंह का भी विशेष योगदान रहा। उन्होंने कव्वालियों को खदेड़कर जनता को आजाद कराया था। उस दौर में पहले रणजीत पैनल कोड लागू था। उनके नाम से ही कानून चलता था। बाद में देश में आईपीसी लागू किया गया। महाराजा हरि सिंह जी ने राजशाही समाप्त कर लोकतंत्र की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ाया। आज भी यह मंदिर धार्मिक, ऐतिहासिक और न्यायिक परंपरा का संगम माना जाता है।

# ईरान की अमेरिका से वार्ता के लिए सात शर्तें, ट्रंप मंगलवार को करेंगे चर्चा

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान ने कतर के जरिए अमेरिका को बातचीत शुरू करने के लिए सात शर्तें बताई हैं। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन उसकी मांगें नहीं मानता है तो तेहरान निर्णायक युद्ध के लिए तैयार है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी कार्उंसिल के सचिव मोहसिन रेजाई ने कहा कि कतर ने ईरान की शर्तें वाशिंगटन तक पहुंचा दी हैं। तेहरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहा है।

अल जजीरा, शिन्हुआ, गल्फ न्यूज और अरब न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, रेजाई ने कहा, हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध खत्म करने के मकसद से हमारी शर्तें वाशिंगटन तक पहुंचाई हैं। हम राष्ट्रपति ट्रंप के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। रेजाई के मुताबिक शर्तों में सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना, ईरान के फ्रीज फंड जारी करना और नौसैनिक नाकेबंदी हटाना शामिल है।

रेजाई ने एक्स पर लिखा कि अगर वाशिंगटन खुद बनाई मुश्किल से निकलना चाहता है, तो उसके पास ईरान के अधिकार और शर्तें मानने के अलावा कोई चारा नहीं है। रेजाई ने अमेरिका के एक और हमले की पूरी संभावना जताई और कहा कि पिछले दौर की दो लड़ाई के बाद ईरान की सैन्य योजना बदली है। उनके अनुसार योजना अब खाड़ी से ओमान की खाड़ी और अरब सागर तक फैले अमेरिकी नौसैनिक संसाधनों पर केंद्रित है।

उन्होंने दावा किया कि ईरान ने हाल ही में अमेरिकी जहाज या एयरक्राफ्ट कैरियर के पास मल्टी-वारहेड एंटी-शिप मिसाइल का परीक्षण किया। उन्होंने चेतावनी दी कि आगे की प्रतिक्रिया व्यापक हो सकती है, जिसमें क्षेत्र के अमेरिकी ठिकाने, व्यावसायिक हित और स्थानीय कंपनियां भी निशाने पर आ सकती हैं।

पिछले महीने एक समझौता ज्ञापन की समय-सीमा खत्म होने के बाद से कतर और पाकिस्तान बातचीत दोबारा शुरू कराने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष फरवरी के आखिर में अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले के बाद शुरू हुआ था। रेजाई ने कहा कि तेहरान संघर्ष को जितनी जल्दी हो सके खत्म करने की रणनीति पर काम कर रहा है।

इस बीच मोहसिन रेजाई ने एक साक्षात्कार में कहा कि उनका देश अपने दिवंगत सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की ओर से जारी उस धार्मिक आदेश का अभी भी पालन करता है, जिसमें परमाणु हथियार विकसित करने पर रोक लगाई गई है। मोहसिन रेजाई ने कहा, हम नहीं जानते कि भविष्य में क्या होगा।

इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह न्यूयार्क में खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं से मुलाकात करेंगे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ईरान चर्चा का प्रमुख विषय रहेगा। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं किया गया कि ट्रंप या अमेरिका का कोई अन्य प्रतिनिधि ईरानी अधिकारियों से मुलाकात करेगा या नहीं।

## एआई के गलत इस्तेमाल से होंगे गंभीर परिणाम: डारियो अमोदेई

**वाशिंगटन।** हाल ही में एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई ने एआई के तेजी से विकास और भविष्य में इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर चिंता जताई है। अमोदेई से पूर्व शोधकर्ता जैकब काक्सन ने एआई से मानवता के अस्तित्व पर खतरे की आशंका व्यक्त की थी। अमोदेई ने भी एआई के जोखिम को गंभीरता से लेने की जरूरत पर सहमति जताई है। हाल ही में अमोदेई ने कहा कि एआई उद्योग बेहद तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उनके मुताबिक एआई से जुड़े संभावित विनाशकारी जोखिम को केवल प्रतिशत के आंकड़ों में देखने के बजाय यह समझना जरूरी है कि भविष्य कई संभावित रास्तों पर निर्भर करता है। यदि तकनीक को सुरक्षित तरीके से विकसित किया गया और उचित सावधानियां बरती गईं, तो जोखिम को काफी कम किया जा सकता है। लेकिन यदि विकास की दिशा गलत रही या शक्तिशाली एआई का इस्तेमाल गलत हाथों में पहुंच गया, तो परिणाम गंभीर हो सकते हैं।

# बलोचिस्तान में सेना ने हाइवे रोके आतंकियों पर गोली चलाई, पांच की मौत, 23 बंधक छुड़ाए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान

**सुरक्षा बलों ने कलात के पास एनएच-25 पर अंधाधुंध गोलीबारी कर पांच आतंकवादियों को मार गिराया। बलों ने 23 बंधकों को भी छुड़ा लिया। पाकिस्तान सशस्त्र बलों की मीडिया एवं जनसंपर्क शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यह जानकारी दी।**

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आईएसपीआर ने जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति में कहा गया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की ट्रैफिक रोकने और आवाजाही में बाधा डालने की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस कार्रवाई में पांच आतंकवादी मारे गए और 23 बंधकों को छुड़ाया गया।

विज्ञप्ति के अनुसार, आतंकवादियों ने यात्रियों को अगवा करने, जबरन वसूली करने और गाड़ियां छीनने के लिए हाइवे पर एक अस्थायी नाका लगाया था। इसकी जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बल मौके पर पहुंचे और गोलीबारी के दौरान पांच आतंकवादियों को मार गिराया। नाके से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए।

आईएसपीआर के अनुसार, घटनास्थल से छह ट्रक, तीन बसें और दो कारें बरामद की गईं। आतंकवादियों के खिलाफ यह सफलता आपरेशन रद्दुल फितना 3 के तहत मिली। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने पंजगुर और चगाई जिलों में अलग-अलग अभियानों में 11 आतंकवादियों को मार गिराया।

सूत्रों के मुताबिक, पंजगुर के गोवारगो इलाके में पांच, जबकि चगाई के अमीनबाद और सियाह चांग इलाकों में छह आतंकी मारे गए। बावजूद इसके

बलोचिस्तानहिंसा का बड़ा केंद्र बना हुआ है। सुरक्षा सूत्रों ने बताया कि खारान में कालेज रोड पर आतंकवादियों ने एक यात्री वाहन को इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से निशाना बनाया, जिसमें 10 मजदूर घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

# बांग्लादेश में विद्रोह के दौरान थानों से लूटे हथियार पहुंचे अपराधियों के पास

ढाका

बांग्लादेश की स्पेशल रिस्पान्स बटालियन (एसआरबी) थानों से लूटे गए सभी हथियारों को बरामद नहीं कर सकी है।

2024 में छात्र-जन विद्रोह के दौरान थानों से हजारों हथियार लूटे गए थे। अब तक 1,306 हथियार गायब हैं। इनमें से कुछ हथियारों का प्रयोग बाद में अपराधियों ने किया। इन हथियारों से ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर हमले किए गए। इससे चिंता बढ़ गई है कि बाकी हथियारों का इस्तेमाल आसन्न स्थानीय चुनाव में अपना दबदबा बनाने के लिए किया जा सकता है। एसआरबी को नौ सितंबर को इन हथियारों को बरामद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, एसआरबी जनता से मदद मांग रही है। जानकारी देने वालों को इनाम देने की पेशकश की गई। लोगों को भरोसा दिलाया जा रहा है कि उनकी पहचान गुप्त रखी जाएगी। पुलिस मुख्यालय के अनुसार, 5

अगस्त 2024 को अलग-अलग थानों से 5,763 हथियार लूटे गए। इनमें से 14 सितंबर तक 4,457 हथियार बरामद कर लिए गए, जबकि 1,306 अभी भी गायब हैं। इसी दौरान 6,52,008 राउंड गोला-बारूद भी लूटा गया। इनमें से 3,94,895 राउंड बरामद कर लिए गए हैं, जबकि 2,57,113 राउंड अभी भी गायब हैं।

सूत्रों ने बताया कि ज्यादातर हथियार और गोला-बारूद किशोर गैंग के सदस्यों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने लूटे थे। कुछ हथियार बाद में कम कीमत पर आपराधिक समूहों को बेच दिए गए। अब इन हथियारों का इस्तेमाल हत्या, जबरन वसूली, झपटमारी, डकैती, ड्रग्स के कारोबार और जमीन हड़पने जैसे अपराधों में किया जा रहा है। कुछ हथियार लुटेरों, अपहरणकर्ताओं, किशोर गैंग, समुद्री लुटेरों और जंगल में लूटपाट करने वालों तक भी पहुंच गए हैं।

पुलिस ने हाल ही में पुष्टि की है कि 26 अगस्त को चटगांव के अपराधी मुबारक हुसैन, उर्फ गलाकाटा मुबारक को गिरफ्तार करने के आपरेशन के दौरान उन पर जिस पिस्तौल से गोली चलाई गई, वह 5 अगस्त, 2024 को चटगांव के कोतवाली पुलिस स्टेशन से लूटी गई थी। पुलिस के अनुसार, मुबारक ने जांच अधिकारी को बताया कि उसे यह हथियार एक अन्य अपराधी से मिला था, जिससे पता चलता है कि लूट के बाद यह हथियार कई लोगों के हाथों से गुजरा था।

एक अन्य मामले में मीरपुर में बरामद एक विदेशी पिस्तौल के बारे में पता चला कि उसे 5 अगस्त के बाद थाने से लूटा गया था। 2 मार्च को सैयदबाद बस टर्मिनल इलाके में एक आपरेशन के दौरान नारकोटिक्स कंट्रोल डिपार्टमेंट के एक इंस्पेक्टर को गोली मार दी गई थी। पुलिस ने इस घटना में शामिल संदिग्ध अपराधी और ड्रग डीलर आटो सजल को गिरफ्तार किया। उससे मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस ने स्वामीबाग में एक किराए के घर से दो विदेशी पिस्तौल, चार मैगजीन, 77 राउंड कारतूस और 59 ग्राम हेरोइन बरामद की। सजल ने पुलिस को बताया कि ये हथियार अगस्त में वारी पुलिस स्टेशन से लूटे गए थे। पुलिस ने अराइहजार बाजार सेंट्रल जामा मस्जिद की दूसरी मंजिल पर एक शेल्फ से एक पिस्तौल, दो मैगजीन और 20 कारतूस बरामद किए।